शॉर्ट न्यूज़: 21 मार्च, 2022

sanskritiias.com/hindi/short-news/21-march-2022

'सिंबा' सॉफ्टवेयर

विश्व प्रसन्नता सूचकांक रिपोर्ट- 2022

कवच प्रणाली

'सिंबा' सॉफ्टवेयर

चर्चा में क्यों

हाल ही में, गुजरात वन विभाग ने एशियाई शेरों की पहचान और संरक्षण के लिये एआई-आधारित सॉफ्टवेयर 'सिंबा' की शुरुआत की है।

सिंबा के बारे में

- यह एक फोटो पहचान सॉफ्टवेयर है, जिसे 'एशियाई शेरों की इंटेलिजेंट मार्किंग आधारित पहचान अर्थात् सिंबा' (Software with Intelligent Marking Based identification of Asiatic lions : SIMBA) के नाम से जाना जाता है। इसे हैदराबाद स्थित 'टेलिओलैब्स' द्वारा विकसित किया गया है।
- यह सॉफ्टवेयर शारीरिक विशेषताओं (पैटर्न/चिह्नों) के आधार पर एशियाई शेरों की पहचान करता है। इसका उपयोग गिर राष्ट्रीय उद्यान में एशियाई शेरों की संख्या की गतिशीलता एवं विस्तार को समझने में किया जाएगा।

महत्व

- यह सॉफ्टवेयर संकटग्रस्त एशियाई शेरों के संरक्षण और प्रबंधन में सहायक होगा।

- शेरों की निरंतर पहचान से इनके संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन में वृद्धि होगी।
- इसका उपयोग एशियाई शेरों को एक विशिष्ट पहचान संख्या प्रदान करने में किया जाएगा।

एशियाई शेर

- एशियाई शेर गुजरात के गिर परिदृश्य के लिये एक स्थानिक प्रजाति हैं। यह उन 21 गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों में से एक है, जिन्हें केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम शुरू करने के लिये पहचाना है।
- एशियाई शेर, अफ्रीकी शेरों की तुलना में आकार में थोड़े छोटे होते हैं और उनके पास अद्वितीय व्हिस्कर (मूंछ) स्पॉट पैटर्न होते हैं।
- इन्हें अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में सुभैद्य की श्रेणी में तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची- I में सूचीबद्ध किया गया है।

विश्व प्रसन्नता सूचकांक रिपोर्ट- 2022

चर्चा में क्यों

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में संचालित 'सतत विकास समाधान नेटवर्क' (Sustainable Development Solutions Network) द्वारा 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट- 2022' को जारी किया गया। यह रिपोर्ट 2019-2021 की तीन वर्षों की अवधि के औसत आंकड़ों पर आधारित है।

प्रमुख बिंदु

- इस रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 146 देशों में सबसे खुशहाल पाँच देश क्रमशः फ़िनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्विट्जरलैंड तथा नीदरलैंड हैं। विदित है कि फ़िनलैंड लगातार पाँच वर्षों से शीर्ष पर बना हुआ है।
- इस रिपोर्ट में अफगानिस्तान सबसे निचले पायदान पर है। इसके पश्चात् लेबनान, जिम्बावे, रवांडा एवं बोत्स्वाना का स्थान है।
- भारत ने पिछले वर्ष की तुलना में सूची में अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 136वाँ स्थान प्राप्त किया है, जबकि वर्ष 2021 में इसे 139वाँ स्थान प्राप्त था। विदित है कि भारत इस रिपोर्ट में चीन, श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान जैसे अपने पड़ोसी देशों से काफी नीचे है।

कवच प्रणाली

चर्चा में क्यों

हाल ही में, भारतीय रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के तेलंगाना के सिकंदराबाद मंडल में गुल्लागुड़ा- चिटगिड्डा रेलवे स्टेशनों के बीच 'कवच' सुरक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

प्रमुख बिंदु

- आत्मनिर्भर भारत के एक हिस्से के रूप में, सुरक्षा और क्षमता में वृद्धि के लिये वर्ष 2022-23 में 2,000 किलोमीटर नेटवर्क को कवच के अंतर्गत लाया जाएगा।
- भारत कवच को एक निर्यात योग्य प्रणाली के रूप में स्थापित करना चाहता है, जो दुनिया भर में प्रचलित यूरोपीय प्रणालियों का एक सस्ता विकल्प होगा।

'कवच' प्रणाली

- कवच अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (Automatic Train Protection : ATP) प्रणाली है।
- यह लोकोमोटिव में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान उपकरणों का एक सेट है, जो सिग्नलिंग सिस्टम के साथ-साथ पटरियों पर भी लगाया जाता है। यह ट्रेनों के ब्रेक को नियंत्रित करने के लिये अल्ट्रा हाई रेडियो फ्रीक्वेंसी का उपयोग करता है।
- यह प्रणाली ट्रेनों को लाल सिग्नल पार करने, दो इंजनों के बीच टक्कर को रोकने और चालक गति सीमा के अनुसार ट्रेन को नियंत्रित करने के लिये ट्रेन ब्रेकिंग सिस्टम को स्वचालित रूप से सक्रिय करने में सक्षम है।

कवच की विशेषताएं

- खतरे में सिग्नल पार करने से रोकना (Signal Passed at Danger)
- ओवर स्पीडिंग की रोकथाम के लिये स्वचालित ब्रेक प्रक्रिया।
- समपार फाटकों (Level Crossing Gates) के पास पहुँचते समय स्वत: सीटी बजना।
- कवच प्रणाली से युक्त दो इंजनों के बीच टकराव की रोकथाम।
- आपातकालीन स्थितियों के दौरान एस.ओ.एस. संदेश भेजना।
- नेटवर्क मॉनिटर सिस्टम के माध्यम से ट्रेन की आवाजाही की केंद्रीकृत लाइव निगरानी।